

कोए दे स बोल मन्नै री जब आधी रात ढले काली



कोए दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।bd।

मेरे ना की घाल घालदी,
अंबर में आग बालदी,
तेरा ले क नाम चालती,
या क्युकर ढली ढले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।bd।

एक बल: गगन में हांडी,
सेवड़े ने चिती मांडी,
महार: खड़ी बगड़ में जांडी,
उकी फुगल आप जले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।bd।

मन्नै ढाई घड़ी सं टाली,
इब आगे तुहे रूखाली,
दया करीयो खपर आली,
या दुनिया हाथ मले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।bd।

अशोक भक्त में खेली,
तन्नै दया राज की ले ली,
या रामभजन की चैली,
तेरा लावण भोग चले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।bd।

जब आधी रात ढले काली।bd।



गायक – नरेंद्र कौशिक जी ।
राकेश कुमार जी ।
खरक जाटान (रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>